Ui) Review by Governmen$_{t\ on}$ the working of the Bank.

(iii) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (i) above [Placed in library. *See* No. Lt- 1270 /85 for (i) to (iii)]

Report (1983-84) of the Commission of Railway Safety and related papers

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS AND CULTURE (SHRl K. P. SINGH DEO); Sir, on behalf of Shri Ashok Gehlot, 1 beg to lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Annual Report on the working of the Commission of Railway Safety, for the year 1983-84, together with an Explanatory Note giving reasons for th$_e$ delay in laying the Repoit. [Placed in Library *See* No. Lt-1225/85]

MESSAGES FROM THE LOK SABHA

I. The Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Amendment Bill, 1985

II. The Appropriation (No. 5) Bil!, 1985.

SECRETARY-GENERAL. I have to report to the House the following messages received from the Lok Sabha, signed by the Secretary-General of the Lok Sabha:-

I

"In accordance with the provisions of rule 96 of th$_e$ Rule$_s$ of Procedure and Conduct of Busines$_s$ in Lok Sabha, I am directed t$_0$ enclose the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Amendment Bill, 1985, $_{as}$ passed by Lok Sabha at its sitting held on the 7th August, 1985."

II

"In accordance with th$_e$ provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct $_0$f Business ^{in} Lok Sabha, I am directed ti enclose the Appropriation (No 5) Bill, 1985, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 7th August, 1985."

"The Speaker ha$_s$ certified that this Bill i$_{s\ a}$ Money Bill within th$_e$ meaning of article 110 $_0$f the Constitution of India."

Sir, I lay a copy of each of the Bills on the Table,

MR. CHAIRMAN. Now, we shall take up Special Mentions. Yes, Mr. Virendra Verma.

REFERENCE TO THE ALLEGED CORRUPTION IN THE SAFDAR-JANG HOSPITAL IN DELHI

श्री वीरेन्द्र वर्मा (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति जी, मैं आज एक बहुत ही महत्वपूर्ण मेन्शन आपकी आज्ञा से यहां उठाना चाहता हूं ।

श्रीमन्, देश की राजधानी दिल्ली का सफदरजंग हास्पिटल बहुत महत्वपूर्ण अस्पतालों में है । अब से डेढ़ महीने पेश्तर सब्जी बेचने वाला एक गरीब आदमी राजस्थान का, दिल्ली जिसकी हड्डी टूट गई थी, अपने पैर का इलाज कराने के लिए अस्पताल में भर्ती हुआ । वहां के डाक्टर्स ने उससे एक हजार रुपए मांग की और कहा कि तब ही तुम्हारा इलाज होगा । तुम्हें खून की आवश्यकता होगी तो ढाई सौ रुपए उससे और मांगे । उस गरीब इंसान ने मना कर दिया तो उसको इमरजेंसी थियेटर के कार्नर में ले गए और बुरी तरह से उसको तब तक पीटा जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गया । उसका जो बूढ़ा रिश्तेदार था उसको ले जाकर जबरदस्ती उसके जिस्म से खून निकाला ।

मान्यवर, संघ लोक सेवा आयोग में उसका एक रिश्तेदार है । उसने हास्पिटल के विजिलेंस विभाग में इसकी शिकायत की । मान्यवर, इसकी जांच हुई और जो डाक्टर तथा जो अन्य कर्मचारी इसमें इनवाल्व पाए गए, उस जांच में यह सिद्ध हो चुका है ।